Sri Arvind Mahila College, Patna

Accredited by NAAC with B+ Grade

(A Constituent Unit of Patliputra University, Patna)

Organizing Department: Department of Geography
in collaboration with Climate Agena

A Discussion on Clean & Inclusive Urban Transportation System in Bihar

06-09-2024

हरित सफ़र अभियान के तहत श्री अरविन्द महिला कॉलेज में "कैंपस मीट" का आयोजन
स्वच्छ और समावेशी यातायात के विषय पर संगोष्ठी का आयोजन
पटना को प्रदूषण और जाम मुक्त करने में स्वच्छ ईंधन आधारित परिवहन व्यवस्था ज़रूरी

आज दिनांक 06 सितम्बर 2024 को क्लाइमेट एजेंडा द्वारा संचालित हरित सफ़र अभियान के अंतर्गत कैंपस मीट का आयोजन श्री अरविन्द महिला कॉलेज, पटना के भूगोल विभाग के साथ संयुक्त संयोजन के साथ किया गया। इसका मुख्य विषय शहरी यातायात प्रणाली को स्वच्छ एवं समावेशी बना सकने के उपायों पर केन्द्रित रखा गया था।

इस संगोष्ठी में क्लाइमेट एजेंडा की ओर से मनीष सिन्हा ने पटना शहर को कार्बन मुक्त परिवहन प्रणाली, सभी वर्गों के लिए समान परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करने में युवाओं व छात्र छात्राओं की भूमिका पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि लचर और असुरक्षित सार्वजनिक परिवहन प्रणाली के सबसे अधिक भुक्तभोगी महिलाएं और हाशिये पर रहने वाले समुदाय हैं। एक आंकड़ा बताता है कि लगभग 56% लड़कियों को सार्वजनिक परिवहन में छेड़छाड़ का सामना करना पड़ता है। और पटना की ख़राब होती वायु गुणवत्ता में वाहनों से होने वाला प्रदूषण भी एक प्रमुख कारण है।

महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. साधना ठाकुर ने अपने वक्तव्य में छात्राओं को अधिक से अधिक पैदल चलने और साइकिल के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही यह भी उल्लेखित किया कि पटना शहर में पैदल चलने और साइकिल से चलने के लिए अलग से ट्रैक की व्यवस्था होना ज़रूरी है इससे आम जनता भी प्रदूषण में कमी लाने में अपनी भूमिका दे पाएगी।

हरित सफ़र अभियान की प्रमुख सानिया अनवर ने छात्र छात्राओं को उनके द्वारा किये जा सकने वाली महत्वपूर्ण पहल से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि अपने शहर का पर्यावरण ठीक रखने के लिए छात्र छात्राओं के द्वारा की गयी छोटी से छोटी कोशिशें भी बड़ा परिवतन ला सकती हैं। उन्होंने हाल में उपस्थित सभी छात्राओं से यह अपील की कि वे अपने नगर निगम और परिवहन मंत्रालय को अपने शहर की परिवहन व्यवस्था को बिजली आधारित बनाने, सौर ऊर्जा से संचालित वाहन चार्जिंग स्टेशन बनाने और सभी रूटों पर जरुरत का आकलन कर के बसें चलाने का आग्रह करते हुए चिट्ठी या ई मेल करें ऐसा कर के वे अपने शहर को बेहतर बनाने में अपनी भूमिका निभा सकती हैं।

कार्यक्रम का संयोजन और धन्यवाद ज्ञापन भूगोल विभाग के डॉ अंगद यादव ने किया। इस कार्यशाला में प्रॉक्टर डॉ. बलिराजी मौर्या, उप प्रॉक्टर डॉ. विमी सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ गीता कुमारी, डॉक्टर प्रभा मिश्रा, डॉ अनुमाला, श्री गोपाल कुमार, श्री आदित्य भारद्वाज, पूजा कुमारी, अर्चना एवं सुनील भारती समेत अनेक शिक्षक तथा सैकड़ो छात्राओं ने भाग लिया।

ज्ञात हो कि हरित सफ़र अभियान बिहार और उत्तर प्रदेश के शहरी परिवहन प्रणाली को स्वच्छ एवं समावेशी बनाने के लिए कार्यरत है।

Discussion on Clean & Inclusive
Urban Transportation System in Bihar
Campus Meet

Discussion on Clean & Inclusive
Urban Transportation System in Bihar
Campus Meet